Jhn

Chapter 6

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Μετὰ	ταῦτα	ἀπῆλθεν	ὁ	Ἰησοῦς,	πέραν	τῆς	θαλάσσης	τῆς	Γαλιλαίας	τῆς	Τιβεριάδος,
-के-बाद	इन-बातों	चला-गया	-ने	यीशु,	पार	-के	झील	-की	गलील	-की	तिबिरियास,
G3326	G3778	G0565	G3588	G2424	G4008	G3588	G2281	G3588	G1056	G3588	G5085

> इसके बाद यीशु गलील की झील (यानी तिबिरियास) के उस पार चला गया।

2

ἠκολούθει	δὲ	αὐτῷ	ὄχλος	πολύς,	ὅτι	ἐθεώρουν	τὰ	σημεῖα	ἃ	ἐποίει	ἐπὶ	τῶν	ἀσθενούντων.
पीछे-आ-रही-थी	और-	उसके	भीड़	बहुत,	क्योंकि	देखते-थे	-को	चिह्न	जो	करता-था	पर	-के	बीमारों।
G0190	G1161	G0846	G3793	G4183	G3754	G2334	G3588	G4592	G3739	G4160	G1909	G3588	G0770

> और उसके पीछे-पीछे एक अपार भीड़ चल दी क्योंकि उन्होंने रोगियों को स्वास्थ्य प्रदान करने में अद्भुत चिन्ह देखे थे।

3

ἀνῆλθεν	δὲ	εἰς	τὸ	ὄρος	Ἰησοῦς,	καὶ	ἐκεῖ	ἐκάθητο	μετὰ	τῶν	μαθητῶν	αὐτοῦ.
गया-ऊपर	और-	पर	-के	पहाड़	यीशु,	और	वहाँ	बैठ-गया	-के-साथ	-के	चेलों	अपने।
G0424	G1161	G1519	G3588	G3735	G2424	G2532	G1563	G2521	G3326	G3588	G3101	G0846

> यीशु पहाड़ पर चला गया और वहाँ अपने अनुयायियों के साथ बैठ गया।

4

ἦν	δὲ	ἐγγὺς	τὸ	πάσχα,	ἡ	ἑορτὴ	τῶν	Ἰουδαίων.
था	और-	निकट	-का	फसह,	-का	पर्व	-के	यहूदियों।
G1510	G1161	G1451	G3588	G3957	G3588	G1859	G3588	G2453

> यहूदियों का फ़सह पर्व निकट था।

5

ἐπάρας	οὖν	τοὺς	ὀφθαλμοὺς	ὁ	Ἰησοῦς,	καὶ	θεασάμενος	ὅτι	πολὺς	ὄχλος	ἔρχεται	πρὸς	αὐτὸν,	λέγει	πρὸς	Φίλιππον,	Πόθεν	ἀγοράσωμεν	ἄρτους	ἵνα	φάγωσιν	οὗτοι?
उठाकर	तब	-को	आँखें	-ने	यीशु,	और	देखकर	कि	बहुत	भीड़	आती-है	पास	उसके,	कहता-है	से	फिलिप्पुस,	कहाँ-से	खरीदें	रोटियाँ	ताकि	खाएँ	ये?
G1869	G3767	G3588	G3788	G3588	G2424	G2532	G2300	G3754	G4183	G3793	G2064	G4314	G0846	G3004	G4314	G5376	G4159	G0059	G0740	G2443	G5315	G3778

> जब यीशु ने आँख उठाई और देखा कि एक विशाल भीड़ उसकी तरफ़ आ रही है तो उसने फिलिप्पुस से पूछा, “इन सब लोगों को भोजन कराने के लिए रोटी कहाँ से खरीदी जा सकती है?”

6 τοῦτο δὲ ἔλεγεν πειράζων αὐτόν; αὐτὸς γὰρ ᾔδει τί ἔμελλεν
यह और– कहता–था परखते–हुए उसे; वह–स्वयं क्योंकि जानता–था क्या करने–वाला–था
G3778 G1161 G3004 G3985 G0846 G0846 G1063 G1492 G5101 G3195

ποιεῖν.
करना।
G4160

> यीशु ने यह बात उसकी परीक्षा लेने के लिए कही थी क्योंकि वह तो जानता ही था कि वह क्या करने जा रहा है।

7 ἀπεκρίθη αὐτῷ ὁ Φίλιππος, Διακοσίων δηναρίων, ἄρτοι οὐκ ἀρκοῦσιν
उत्तर–दिया उसे –ने फिलिप्पुस, दो–सौ दीनार–की, रोटियाँ नहीं पर्याप्त–होतीं
G0611 G0846 G3588 G5376 G1250 G1220 G0740 G3756 G0714

αὐτοῖς ἵνα ἕκαστος βραχύ τι λάβῃ.
उनके–लिए ताकि हर–एक थोड़ा कुछ पाए।
G0846 G2443 G1538 G1024 G5100 G2983

> फिलिप्पुस ने उत्तर दिया, “दो सौ चाँदी के सिक्कों से भी इतनी रोटियाँ नहीं ख़रीदी जा सकती हैं जिनमें से हर आदमी को एक निवाले से थोड़ा भी ज़्यादा मिल सके।”

8 λέγει αὐτῷ εἷς ἐκ τῶν μαθητῶν αὐτοῦ, Ἀνδρέας, ὁ ἀδελφὸς Σίμωνος
कहता–है उसे एक में–से –के चेलों उसके, अन्द्रियास, –का भाई शिमोन
G3004 G0846 G1520 G1537 G3588 G3101 G0846 G0406 G3588 G0080 G4613

Πέτρου,
पतरस,
G4074

> यीशु के एक दूसरे शिष्य शमौन पतरस के भाई अन्द्रियास ने कहा,

9 Ἔστιν παιδάριον ὧδε, ὃς ἔχει πέντε ἄρτους κριθίνους, καὶ δύο
है लड़का यहाँ, जिसके–पास है पाँच रोटियाँ जौ–की, और दो
G1510 G3808 G5602 G3739 G2192 G4002 G0740 G2916 G2532 G1417

ὀψάρια; ἀλλὰ ταῦτα τί ἐστιν εἰς τοσούτους?
मछलियाँ; परन्तु ये क्या हैं के–लिए इतनों?
G3795 G0235 G3778 G5101 G1510 G1519 G5118

> “यहाँ एक छोटे लड़के के पास पाँच जौ की रोटियाँ और दो मछलियाँ हैं पर इतने सारे लोगों में इतने से क्या होगा।”

10 εἶπεν ὁ Ἰησοῦς, Ποιήσατε τοὺς ἀνθρώπους ἀναπεσεῖν. ἦν δὲ χόρτος
कहा –ने यीशु, बिठाओ –को लोगों बैठने–के–लिए। थी और– घास
G3004 G3588 G2424 G4160 G3588 G0444 G0377 G1510 G1161 G5528

πολὺς ἐν τῷ τόπῳ; ἀνέπεσαν οὖν οἱ ἄνδρες, τὸν ἀριθμὸν ὡς
बहुत में –के स्थान; बैठ–गए तब वे– पुरुष, –में गिनती लगभग
G4183 G1722 G3588 G5117 G0377 G3767 G3588 G0435 G3588 G0706 G5613

πεντακισχίλιοι
पाँच–हज़ार।
G4000

> यीशु ने उत्तर दिया, “लोगों को बैठाओ।” उस स्थान पर अच्छी खासी घास थी इसलिये लोग वहाँ बैठ गये। ये लोग लगभग पाँच हजार पुरुष थे।

11 ἔλαβεν οὖν τοὺς ἄρτους ὁ Ἰησοῦς, καὶ εὐχαριστήσας, διέδωκεν τοῖς
लिया तब –को रोटियाँ –ने यीशु, और धन्यवाद–देकर, बाँट–दीं –को
G2983 G3767 G3588 G0740 G3588 G2424 G2532 G2168 G1239 G3588

ἀνακειμένοις; ὁμοίως καὶ ἐκ τῶν ὀψαρίων, ὅσον ἤθελον.
बैठे–हुओं; उसी–प्रकार भी में–से –की मछलियों, जितना चाहते–थे।
G0345 G3668 G2532 G1537 G3588 G3795 G3745 G2309

> फिर यीशु ने रोटियाँ लीं और धन्यवाद देने के बाद जो वहाँ बैठे थे उनको परोस दीं। इसी तरह जितनी वे चाहते थे, उतनी मछलियाँ भी उन्हें दे दीं।

12	ὡς	δὲ	ἐνεπλήσθησαν,	λέγει	τοῖς	μαθηταῖς	αὐτοῦ,	Συναγάγετε	τὰ
	जब	और-	तृप्त-हो-गए,	कहता-है	-को	चेलों	अपने,	इकट्ठे-करो	-को
	G5613	G1161	G1705	G3004	G3588	G3101	G0846	G4863	G3588

περισσεύσαντα	κλάσματα,	ἵνα	μή	τι	ἀπόληται.
बचे-हुए	टुकड़े,	ताकि	न	कुछ	नष्ट-हो।
G4052	G2801	G2443	G3361	G5100	G0622

> जब उन के पेट भर गये यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, “जो टुकड़े बचे हैं, उन्हें इकटठा कर लो ताकि कुछ बेकार न जाये।”

13	συνήγαγον	οὖν,	καὶ	ἐγέμισαν	δώδεκα	κοφίνους	κλασμάτων	ἐκ	τῶν	πέντε
	इकट्ठे-किए	तब,	और	भर-दीं	बारह	टोकरियाँ	टुकड़ों-की	से	-की	पाँच
	G4863	G3767	G2532	G1072	G1427	G2894	G2801	G1537	G3588	G4002

ἄρτων	τῶν	κριθίνων,	ἃ	ἐπερίσσευσαν	τοῖς	βεβρωκόσιν.
रोटियों	-की	जौ-की,	जो	बची-थीं	-से	खाने-वालों।
G0740	G3588	G2916	G3739	G4052	G3588	G0977

> फिर शिष्यों ने लोगों को परोसी गयी जौ की उन पाँच रोटियों के बचे हुए टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भरीं।

14	Οἱ	οὖν	ἄνθρωποι,	ἰδόντες	ὃ	ἐποίησεν	σημεῖον,	ἔλεγον,	ὅτι	Οὗτός	ἐστιν
	वे-	तब	लोग,	देखकर	जो	किया	चिह्न,	कहते-थे,	कि	यह	है
	G3588	G3767	G0444	G3708	G3739	G4160	G4592	G3004	G3754	G3778	G1510

ἀληθῶς	ὁ	προφήτης	ὁ	ἐρχόμενος	εἰς	τὸν	κόσμον.
सच-में	वह-	भविष्यवक्ता	जो-	आने-वाला	में	-के	संसार।
G0230	G3588	G4396	G3588	G2064	G1519	G3588	G2889

> यीशु के इस आश्चर्यकर्म को देखकर लोग कहने लगे, “निश्चय ही यह व्यक्ति वही नबी है जिसे इस जगत में आना है।”

15	Ἰησοῦς	οὖν,	γνοὺς	ὅτι	μέλλουσιν	ἔρχεσθαι	καὶ	ἁρπάζειν	αὐτὸν,	ἵνα
	यीशु	तब,	जानकर	कि	करने-वाले-हैं	आना	और	पकड़ना	उसे,	ताकि
	G2424	G3767	G1097	G3754	G3195	G2064	G2532	G0726	G0846	G2443

ποιήσωσιν	βασιλέα,	ἀνεχώρησεν	πάλιν	εἰς	τὸ	ὄρος	αὐτὸς	μόνος.
बना-दें	राजा,	हट-गया	फिर	पर	-के	पहाड़	वह-स्वयं	अकेला।
G4160	G0935	G0402	G3825	G1519	G3588	G3735	G0846	G3441

> यीशु यह जानकर कि वे लोग आने वाले हैं और उसे ले जाकर राजा बनाना चाहते हैं, अकेला ही पर्वत पर चला गया।

16	Ὡς	δὲ	ὀψία	ἐγένετο,	κατέβησαν	οἱ	μαθηταὶ	αὐτοῦ	ἐπὶ	τὴν	θάλασσαν,
	जब	और-	साँझ	हो-गई,	उतर-गए	वे-	चेले	उसके	पर	-के	झील,
	G5613	G1161	G3798	G1096	G2597	G3588	G3101	G0846	G1909	G3588	G2281

> जब शाम हुई उसके शिष्य झील पर गये

17	καὶ	ἐμβάντες	εἰς	πλοῖον,	ἤρχοντο	πέραν	τῆς	θαλάσσης	εἰς	Καφαρναούμ.
	और	चढ़कर	में	नाव,	जा-रहे-थे	पार	-के	झील	को	कफरनहूम।
	G2532	G1684	G1519	G4143	G2064	G4008	G3588	G2281	G1519	G2584

καὶ	σκοτία	ἤδη	ἐγεγόνει,	καὶ	οὔπω	ἐληλύθει	πρὸς	αὐτοὺς	ὁ	Ἰησοῦς.
और	अंधेरा	पहले-से	हो-गया-था,	और	अभी-तक-नहीं	आया-था	पास	उनके	-ने	यीशु।
G2532	G4653	G2235	G1096	G2532	G3768	G2064	G4314	G0846	G3588	G2424

> और एक नाव में बैठकर वापस झील के पार कफरनहूम की तरफ़ चल पड़े। अँधेरा काफ़ी हो चला था किन्तु यीशु अभी भी उनके पास नहीं लौटा था।

18	ἥ	τε	θάλασσα	ἀνέμου	μεγάλου	πνέοντος	διεγείρετο.
	-और	भी	झील	हवा-के	बड़ी	चलने-से	उठ-रही-थी।
	G3588	G5037	G2281	G0417	G3173	G4154	G1326

> तूफ़ानी हवा के कारण झील में लहरें तेज़ होने लगी थीं।

19	ἐληλακότες	οὖν	ὡς	σταδίους	εἴκοσι	πέντε	ἢ	τριάκοντα,	θεωροῦσιν	τὸν
	चलाकर	तब	लगभग	स्टेडिया	पच्चीस	पाँच	या	तीस,	देखते–हैं	–को
	G1643	G3767	G5613	G4712	G1501	G4002	G2228	G5144	G2334	G3588

Ἰησοῦν	περιπατοῦντα	ἐπὶ	τῆς	θαλάσσης,	καὶ	ἐγγὺς	τοῦ	πλοίου	γινόμενον,
यीशु	चलते–हुए	पर	–की	झील,	और	निकट	–के	नाव	आते–हुए,
G2424	G4043	G1909	G3588	G2281	G2532	G1451	G3588	G4143	G1096

καὶ	ἐφοβήθησαν.
और	डर–गए।
G2532	G5399

> जब वे कोई पाँच-छः किलोमीटर आगे निकल गये, उन्होंने देखा कि यीशु झील पर चल रहा है और नाव के पास आ रहा है। इससे वे डर गये।

20	ὁ	δὲ	λέγει	αὐτοῖς,	Ἐγώ	εἰμι;	μὴ	φοβεῖσθε.
	वह–	परन्तु–	कहता–है	उनसे,	मैं	हूँ;	मत	डरो।
	G3588	G1161	G3004	G0846	G1473	G1510	G3361	G5399

> किन्तु यीशु ने उनसे कहा, “यह मैं हूँ, डरो मत।”

21	ἤθελον	οὖν	λαβεῖν	αὐτὸν	εἰς	τὸ	πλοῖον,	καὶ	εὐθέως	ἐγένετο	τὸ
	चाहते–थे	तब	लेना	उसे	में	–की	नाव,	और	तुरन्त	हो–गई	–ने
	G2309	G3767	G2983	G0846	G1519	G3588	G4143	G2532	G2112	G1096	G3588

πλοῖον	ἐπὶ	τῆς	γῆς	εἰς	ἣν	ὑπῆγον.
नाव	पर	–की	भूमि	पर	जहाँ	जा–रहे–थे।
G4143	G1909	G3588	G1093	G1519	G3739	G5217

> फिर उन्होंने तत्परता से उसे नाव में चढ़ा लिया, और नाव शीघ्र ही वहाँ पहुँच गयी जहाँ उन्हें जाना था।

22	Τῇ	ἐπαύριον	ὁ	ὄχλος	ὁ	ἑστηκὼς	πέραν	τῆς	θαλάσσης,	εἶδον	ὅτι
	–को	अगले–दिन	–ने	भीड़	जो–	खड़ी–हुई	पार	–के	झील,	देखा	कि
	G3588	G1887	G3588	G3793	G3588	G2476	G4008	G3588	G2281	G3708	G3754

πλοιάριον	ἄλλο,	οὐκ	ἦν	ἐκεῖ	εἰ	μὴ	ἕν,	καὶ	ὅτι	οὐ	συνεισῆλθεν
नाव	दूसरी,	नहीं	थी	वहाँ	सिवाय	नहीं	एक,	और	कि	नहीं	साथ–गया
G4142	G0243	G3756	G1510	G1563	G1487	G3361	G1520	G2532	G3754	G3756	G4897

τοῖς	μαθηταῖς	αὐτοῦ,	ὁ	Ἰησοῦς	εἰς	τὸ	πλοῖον,	ἀλλὰ	μόνοι	οἱ
–के	चेलों	अपने,	–ने	यीशु	में	–की	नाव,	परन्तु	अकेले	वे–
G3588	G3101	G0846	G3588	G2424	G1519	G3588	G4143	G0235	G3441	G3588

μαθηταὶ	αὐτοῦ	ἀπῆλθον;
चेले	उसके	गए;
G3101	G0846	G0565

> अगले दिन लोगों की उस भीड़ ने जो झील के उस पार रह गयी थी, देखा कि वहाँ सिर्फ एक नाव थी और अपने चेलों के साथ यीशु उस पर सवार नहीं हुआ था, बल्कि उसके शिष्य ही अकेले रवाना हुए थे।

23	ἀλλὰ	ἦλθεν	πλοιάρια	ἐκ	Τιβεριάδος,	ἐγγὺς	τοῦ	τόπου	ὅπου	ἔφαγον	τὸν
	परन्तु	आईं	नावें	से	तिबिरियास,	निकट	–के	स्थान	जहाँ	खाई	–को
	G0235	G2064	G4142	G1537	G5085	G1451	G3588	G5117	G3699	G5315	G3588

ἄρτον,	εὐχαριστήσαντος	τοῦ	Κυρίου;
रोटी,	धन्यवाद–देने–के–बाद	–के	प्रभु;
G0740	G2168	G3588	G2962

> तिबिरियास की कुछ नाव उस स्थान के पास आकर रुकीं, जहाँ उन्होंने प्रभु को धन्यवाद देने के बाद रोटी खायी थी।

24 ὅτε οὖν εἶδεν ὁ ὄχλος ὅτι Ἰησοῦς οὐκ ἔστιν ἐκεῖ, οὐδὲ οἱ
जब तब देखा –ने भीड़ कि यीशु नहीं है वहाँ, न–ही वे–
G3753 G3767 G3708 G3588 G3793 G3754 G2424 G3756 G1510 G1563 G3761 G3588

μαθηταὶ αὐτοῦ, ἐνέβησαν αὐτοὶ εἰς τὰ πλοιάρια, καὶ ἦλθον εἰς
चेले उसके, चढ़–गए वे–स्वयं में –की नावों, और आए को
G3101 G0846 G1684 G0846 G1519 G3588 G4142 G2532 G2064 G1519

Καφαρναοὺμ, ζητοῦντες τὸν Ἰησοῦν.
कफरनहूम, खोजते–हुए –को यीशु।
G2584 G2212 G3588 G2424

> इस तरह जब उस भीड़ ने देखा कि न तो वहाँ यीशु है और न ही उसके शिष्य, तो वे नावों पर सवार हो गये और यीशु को ढूँढते हुए कफरनहूम की तरफ चल पड़े।

25 καὶ εὑρόντες αὐτὸν πέραν τῆς θαλάσσης, εἶπον αὐτῷ, Ῥαββί, πότε ὧδε
और पाकर उसे पार –के झील, कहा उससे, रब्बी, कब यहाँ
G2532 G2147 G0846 G4008 G3588 G2281 G3004 G0846 G4461 G4219 G5602

γέγονας?
आए?
G1096

> जब उन्होंने यीशु को झील के उस पार पाया तो उससे कहा, “हे रब्बी, तू यहाँ कब आया?”

26 ἀπεκρίθη αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς καὶ εἶπεν, Ἀμὴν ἀμὴν λέγω ὑμῖν, ζητεῖτέ
उत्तर–दिया उन्हें –ने यीशु और कहा, सच–सच सच–सच कहता–हूँ तुमसे, खोजते–हो
G0611 G0846 G3588 G2424 G2532 G3004 G0281 G0281 G3004 G4771 G2212

με, οὐχ ὅτι εἴδετε σημεῖα, ἀλλ’ ὅτι ἐφάγετε ἐκ τῶν ἄρτων καὶ
मुझे, नहीं कि देखे चिह्न, परन्तु- कि खाई से –की रोटियों और
G1473 G3756 G3754 G3708 G4592 G0235 G3754 G5315 G1537 G3588 G0740 G2532

ἐχορτάσθητε.
तृप्त–हुए।
G5526

> उत्तर में यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम्हें सत्य बताता हूँ, तुम मुझे इसलिए नहीं खोज रहे हो कि तुमने आश्चर्यपूर्ण चिन्ह देखे हैं बल्कि इसलिए कि तुमने भर पेट रोटी खायी थी।

27 ἐργάζεσθε μὴ τὴν βρῶσιν τὴν ἀπολλυμένην, ἀλλὰ τὴν βρῶσιν τὴν
मेहनत–करो न –के–लिए भोजन जो– नष्ट–होने–वाला, परन्तु –के–लिए भोजन जो–
G2038 G3361 G3588 G1035 G3588 G0622 G0235 G3588 G1035 G3588

μένουσαν εἰς ζωὴν αἰώνιον, ἣν ὁ Υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου ὑμῖν δώσει;
बने–रहने–वाला तक जीवन अनन्त, जो –ने पुत्र –के मनुष्य तुम्हें देगा;
G3306 G1519 G2222 G0166 G3739 G3588 G5207 G3588 G0444 G4771 G1325

τοῦτον γὰρ ὁ Πατὴρ ἐσφράγισεν, ὁ Θεός.
इसे क्योंकि –ने पिता मुहर–लगाई–है, –ने परमेश्वर।
G3778 G1063 G3588 G3962 G4972 G3588 G2316

> उस खाने के लिये परिश्रम मत करो जो सड़ जाता है बल्कि उसके लिये जतन करो जो सदा उत्तम बना रहता है और अनन्त जीवन देता है, जिसे तुम्हें मानव-पुत्र देगा। क्योंकि परमपिता परमेश्वर ने अपनी मोहर उसी पर लगायी है।”

28 εἶπον οὖν πρὸς αὐτόν, Τί ποιῶμεν, ἵνα ἐργαζώμεθα τὰ ἔργα τοῦ
कहा तब से उसे, क्या करें, ताकि करें –को काम –के
G3004 G3767 G4314 G0846 G5101 G4160 G2443 G2038 G3588 G2041 G3588

Θεοῦ?
परमेश्वर?
G2316

> लोगों ने उससे पूछा, “जिन कामों को परमेश्वर चाहता है, उन्हें करने के लिए हम क्या करें?”

29 ἀπεκρίθη ‹ὁ› Ἰησοῦς καὶ εἶπεν αὐτοῖς, Τοῦτό ἐστιν τὸ ἔργον τοῦ Θεοῦ,
उत्तर-दिया ‹-ने› यीशु और कहा उनसे, यह है -का काम -का परमेश्वर,
G0611 G3588 G2424 G2532 G3004 G0846 G3778 G1510 G3588 G2041 G3588 G2316

ἵνα πιστεύητε εἰς ὃν ἀπέστειλεν ἐκεῖνος.
कि विश्वास-करो पर जिसे भेजा उसने।
G2443 G4100 G1519 G3739 G0649 G1565

> उत्तर में यीशु ने उनसे कहा, “परमेश्वर जो चाहता है, वह यह है कि जिसे उसने भेजा है उस पर विश्वास करो।”

30 εἶπον οὖν αὐτῷ, Τί οὖν ποιεῖς σὺ σημεῖον, ἵνα ἴδωμεν καὶ
कहा तब उससे, क्या तब करता-है तू चिह्न, ताकि देखें और
G3004 G3767 G0846 G5101 G3767 G4160 G4771 G4592 G2443 G3708 G2532

πιστεύσωμέν σοι? τί ἐργάζῃ?
विश्वास-करें तुझ-पर? क्या करता-है?
G4100 G4771 G5101 G2038

> लोगों ने पूछा, “तू कौन से आश्चर्य चिन्ह प्रकट करेगा जिन्हें हम देखें और तुझमें विश्वास करें? तू क्या कार्य करेगा?

31 οἱ πατέρες ἡμῶν τὸ μάννα ἔφαγον ἐν τῇ ἐρήμῳ, καθώς ἐστιν
वे- पूर्वजों हमारे -को मन्ना खाया में -के जंगल, जैसा है
G3588 G3962 G1473 G3588 G3131 G5315 G1722 G3588 G2048 G2531 G1510

γεγραμμένον, Ἄρτον ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἔδωκεν αὐτοῖς φαγεῖν.
लिखा-हुआ, रोटी से -के स्वर्ग दी उन्हें खाने-को।
G1125 G0740 G1537 G3588 G3772 G1325 G0846 G5315

> हमारे पूर्वजों ने रेगिस्तान में मन्ना खाया था जैसा कि पवित्र शास्त्रों में लिखा है। उसने उन्हें खाने के लिए, स्वर्ग से रोटी दी।”

32 εἶπεν οὖν αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς, Ἀμὴν ἀμὴν λέγω ὑμῖν, οὐ Μωϋσῆς
कहा तब उनसे -ने यीशु, सच-सच सच-सच कहता-हूँ तुमसे, नहीं मूसा
G3004 G3767 G0846 G3588 G2424 G0281 G0281 G3004 G4771 G3756 G3475

δέδωκεν ὑμῖν τὸν ἄρτον ἐκ τοῦ οὐρανοῦ; ἀλλ’ ὁ Πατήρ μου δίδωσιν
दी-है तुम्हें -को रोटी से -के स्वर्ग; परन्तु- -ने पिता मेरे देता-है
G1325 G4771 G3588 G0740 G1537 G3588 G3772 G0235 G3588 G3962 G1473 G1325

ὑμῖν τὸν ἄρτον ἐκ τοῦ οὐρανοῦ τὸν ἀληθινόν.
तुम्हें -को रोटी से -के स्वर्ग -को सच्ची।
G4771 G3588 G0740 G1537 G3588 G3772 G3588 G0228

> इस पर यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम्हें सत्य बताता हूँ वह मूसा नहीं था जिसने तुम्हें खाने के लिए स्वर्ग से रोटी दी थी बल्कि यह मेरा पिता है जो तुम्हें स्वर्ग से सच्ची रोटी देता है।

33 ὁ γὰρ ἄρτος τοῦ Θεοῦ ἐστιν ὁ καταβαίνων ἐκ τοῦ οὐρανοῦ, καὶ
-की क्योंकि रोटी -की परमेश्वर है जो- उतरने-वाली से -के स्वर्ग, और
G3588 G1063 G0740 G3588 G2316 G1510 G3588 G2597 G1537 G3588 G3772 G2532

ζωὴν διδοὺς τῷ κόσμῳ.
जीवन देने-वाली -को संसार।
G2222 G1325 G3588 G2889

> वह रोटी जिसे परम पिता देता है वह स्वर्ग से उतरी है और जगत को जीवन देती है।”

34 εἶπον οὖν πρὸς αὐτόν, Κύριε, πάντοτε δὸς ἡμῖν τὸν ἄρτον τοῦτον.
कहा तब से उससे, प्रभु, सदा दे हमें -को रोटी यह।
G3004 G3767 G4314 G0846 G2962 G3842 G1325 G1473 G3588 G0740 G3778

> लोगों ने उससे कहा, “हे प्रभु, अब हमें वह रोटी दे और सदा देता रह।”

35 εἶπεν αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς, Ἐγώ εἰμι ὁ ἄρτος τῆς ζωῆς; ὁ ἐρχόμενος
कहा उनसे –ने यीशु, मैं हूँ –की रोटी –का जीवन; जो– आने–वाला
G3004 G0846 G3588 G2424 G1473 G1510 G3588 G0740 G3588 G2222 G3588 G2064

πρὸς ἐμὲ, οὐ μὴ πεινάσῃ; καὶ ὁ πιστεύων εἰς ἐμὲ, οὐ
पास मेरे, कभी–नहीं न भूखा–होगा; और जो– विश्वास–करने–वाला पर मुझ, कभी–नहीं
G4314 G1473 G3756 G3361 G3983 G2532 G3588 G4100 G1519 G1473 G3756

μὴ διψήσει πώποτε.
न प्यासा–होगा कभी।
G3361 G1372 G4455

> तब यीशु ने उनसे कहा, “मैं ही वह रोटी हूँ जो जीवन देती है। जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा नहीं रहेगा और जो मुझमें विश्वास करता है कभी भी प्यासा नहीं रहेगा।

36 ἀλλ’ εἶπον ὑμῖν ὅτι καὶ ἑωράκατέ με, καὶ οὐ πιστεύετε.
परन्तु– कहा तुमसे कि भी देखा–है मुझे, और नहीं विश्वास–करते।
G0235 G3004 G4771 G3754 G2532 G3708 G1473 G2532 G3756 G4100

> मैं तुम्हें पहले ही बता चुका हूँ कि तुमने मुझे देख लिया है, फिर भी तुम मुझमें विश्वास नहीं करते। हर वह व्यक्ति जिसे परम पिता ने मुझे सौंपा है, मेरे पास आयेगा।

37 Πᾶν ὃ δίδωσίν μοι ὁ Πατὴρ, πρὸς ἐμὲ ἥξει, καὶ τὸν ἐρχόμενον
सब जो देता–है मुझे –ने पिता, पास मेरे आएगा, और –को आने–वाले
G3956 G3739 G1325 G1473 G3588 G3962 G4314 G1473 G2240 G2532 G3588 G2064

πρός με, οὐ μὴ ἐκβάλω ἔξω.
पास मेरे, कभी–नहीं न निकालूँगा बाहर।
G4314 G1473 G3756 G3361 G1544 G1854

> जो मेरे पास आता है, मैं उसे कभी नहीं लौटाऊँगा।

38 ὅτι καταβέβηκα ἀπὸ τοῦ οὐρανοῦ, οὐχ ἵνα ποιῶ τὸ θέλημα τὸ
क्योंकि उतरा–हूँ से –के स्वर्ग, नहीं ताकि करूँ –की इच्छा –की
G3754 G2597 G0575 G3588 G3772 G3756 G2443 G4160 G3588 G2307 G3588

ἐμὸν, ἀλλὰ τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με.
मेरी, परन्तु –की इच्छा –के भेजने–वाले मुझे।
G1699 G0235 G3588 G2307 G3588 G3992 G1473

> क्योंकि मैं स्वर्ग से अपनी इच्छा के अनुसार काम करने नहीं आया हूँ बल्कि उसकी इच्छा पूरी करने आया हूँ जिसने मुझे भेजा है।

39 τοῦτο δέ ἐστιν τὸ θέλημα τοῦ πέμψαντός με, ἵνα πᾶν ὃ δέδωκέν
यह और– है –की इच्छा –के भेजने–वाले मुझे, कि सब जो दिया–है
G3778 G1161 G1510 G3588 G2307 G3588 G3992 G1473 G2443 G3956 G3739 G1325

μοι, μὴ ἀπολέσω ἐξ αὐτοῦ, ἀλλὰ ἀναστήσω αὐτὸ ἐν τῇ ἐσχάτῃ
मुझे, न खोऊँ में–से उसमें, परन्तु उठाऊँ उसे में –के अन्तिम
G1473 G3361 G0622 G1537 G0846 G0235 G0450 G0846 G1722 G3588 G2078

ἡμέρᾳ.
दिन।
G2250

> और मुझे भेजने वाले की यही इच्छा है कि मैं जिनको परमेश्वर ने मुझे सौंपा है, उनमें से किसी को भी न खोऊँ और अन्तिम दिन उन सबको जिला दूँ।

40												
	τοῦτο	γάρ	ἐστιν	τὸ	θέλημα	τοῦ	Πατρός	μου,	ἵνα	πᾶς	ὁ	θεωρῶν
	यह	क्योंकि	है	-की	इच्छा	-के	पिता	मेरे,	कि	हर-कोई	जो-	देखने-वाला
	G3778	G1063	G1510	G3588	G2307	G3588	G3962	G1473	G2443	G3956	G3588	G2334

τὸν	Υἱὸν,	καὶ	πιστεύων	εἰς	αὐτὸν,	ἔχῃ	ζωὴν	αἰώνιον;	καὶ	ἀναστήσω
-को	पुत्र,	और	विश्वास-करने-वाला	पर	उस,	पाए	जीवन	अनन्त;	और	उठाऊँगा
G3588	G5207	G2532	G4100	G1519	G0846	G2192	G2222	G0166	G2532	G0450

αὐτὸν	ἐγὼ,	ἐν	τῇ	ἐσχάτῃ	ἡμέρᾳ.
उसे	मैं,	में	-के	अन्तिम	दिन।
G0846	G1473	G1722	G3588	G2078	G2250

> यही मेरे परम पिता की इच्छा है कि हर वह व्यक्ति जो पुत्र को देखता है और उसमें विश्वास करता है, अनन्त जीवन पाये और अंतिम दिन मैं उसे जिला उठाऊँगा।”

41											
	Ἐγόγγυζον	οὖν	οἱ	Ἰουδαῖοι	περὶ	αὐτοῦ,	ὅτι	εἶπεν,	Ἐγώ	εἰμι	ὁ
	बुड़बुड़ाते-थे	तब	वे-	यहूदी	विषय-में	उसके,	क्योंकि	कहा,	मैं	हूँ	-की
	G1111	G3767	G3588	G2453	G4012	G0846	G3754	G3004	G1473	G1510	G3588

ἄρτος	ὁ	καταβὰς	ἐκ	τοῦ	οὐρανοῦ.
रोटी	जो-	उतरी	से	-के	स्वर्ग।
G0740	G3588	G2597	G1537	G3588	G3772

> इस पर यहूदियों ने यीशु पर बड़बड़ाना शुरू किया क्योंकि वह कहता था, “वह रोटी मैं हूँ जो स्वर्ग से उतरी है।”

42											
	καὶ	ἔλεγον,	Οὐχ	οὗτός	ἐστιν	Ἰησοῦς	ὁ	υἱὸς	Ἰωσήφ,	οὗ	ἡμεῖς
	और	कहते-थे,	क्या-नहीं	यह	है	यीशु	-का	पुत्र	यूसुफ,	जिसके	हम
	G2532	G3004	G3756	G3778	G1510	G2424	G3588	G5207	G2501	G3739	G1473

οἴδαμεν	τὸν	πατέρα	καὶ	τὴν	μητέρα?	πῶς	νῦν	λέγει,	ὅτι	Ἐκ	τοῦ
जानते-हैं	-को	पिता	और	-को	माता?	कैसे	अब	कहता-है,	कि	से	-के
G1492	G3588	G3962	G2532	G3588	G3384	G4459	G3568	G3004	G3754	G1537	G3588

οὐρανοῦ	καταβέβηκα?
स्वर्ग	उतरा-हूँ?
G3772	G2597

> और उन्होंने कहा, “क्या यह यूसुफ का बेटा यीशु नहीं है, क्या हम इसके माता-पिता को नहीं जानते हैं। फिर यह कैसे कह सकता है, ‘यह स्वर्ग से उतरा है’?”

43									
	ἀπεκρίθη	Ἰησοῦς	καὶ	εἶπεν	αὐτοῖς,	Μὴ	γογγύζετε	μετ’	ἀλλήλων.
	उत्तर-दिया	यीशु	और	कहा	उनसे,	मत	बुड़बुड़ाओ	साथ	एक-दूसरे-के।
	G0611	G2424	G2532	G3004	G0846	G3361	G1111	G3326	G0240

> उत्तर में यीशु ने कहा, “आपस में बड़बड़ाना बंद करो,

44												
	οὐδεὶς	δύναται	ἐλθεῖν	πρός	με,	ἐὰν	μὴ	ὁ	Πατὴρ,	ὁ	πέμψας	με,
	कोई-नहीं	सकता	आना	पास	मेरे,	जब-तक	न	-ने	पिता,	-ने	भेजने-वाले	मुझे,
	G3762	G1410	G2064	G4314	G1473	G1437	G3361	G3588	G3962	G3588	G3992	G1473

ἑλκύσῃ	αὐτόν,	κἀγὼ	ἀναστήσω	αὐτὸν	ἐν	τῇ	ἐσχάτῃ	ἡμέρᾳ.
खींचे	उसे,	और-मैं	उठाऊँगा	उसे	में	-के	अन्तिम	दिन।
G1670	G0846	G2504	G0450	G0846	G1722	G3588	G2078	G2250

> मेरे पास तब तक कोई नहीं आ सकता जब तक मुझे भेजने वाला परम पिता उसे मेरे प्रति आकर्षित न करे। मैं अंतिम दिन उसे पुनर्जीवित करूँगा।

45										
	ἔστιν	γεγραμμένον	ἐν	τοῖς	προφήταις,	Καὶ	ἔσονται	πάντες	διδακτοὶ	Θεοῦ.
	है	लिखा-हुआ	में	-के	भविष्यवक्ताओं,	और	होंगे	सब	सिखाए-हुए	परमेश्वर-के।
	G1510	G1125	G1722	G3588	G4396	G2532	G1510	G3956	G1318	G2316

πᾶς	ὁ	ἀκούσας	παρὰ	τοῦ	Πατρὸς	καὶ	μαθὼν,	ἔρχεται	πρὸς	ἐμέ.
हर-कोई	जो-	सुनने-वाला	से	-के	पिता	और	सीखने-वाला,	आता-है	पास	मेरे।
G3956	G3588	G0191	G3844	G3588	G3962	G2532	G3129	G2064	G4314	G1473

नबियों ने लिखा है, ‘और वे सब परमेश्वर के द्वारा सिखाए हुए होंगे।’ हर वह व्यक्ति जो परम पिता की सुनता है और उससेसिखता है मेरे पास आता है।

46	οὐχ	ὅτι	τὸν	Πατέρα	ἑώρακέν	τις,	εἰ	μὴ	ὁ	ὢν	παρὰ	τοῦ
	नहीं	कि	–को	पिता	देखा–है	किसी–ने,	सिवाय	नहीं	जो–	है	से	–के
	G3756	G3754	G3588	G3962	G3708	G5100	G1487	G3361	G3588	G1510	G3844	G3588
	Θεοῦ;	οὗτος	ἑώρακεν	τὸν	Πατέρα.							
	परमेश्वर;	इसने	देखा–है	–को	पिता।							
	G2316	G3778	G3708	G3588	G3962							

किन्तु वास्तव में परम पिता को सिवाय उसके जिसे उसने भेजा है, किसी ने नहीं देखा। परम पिता को बस उसी ने देखा है।

47	ἀμὴν	ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ὁ	πιστεύων	ἔχει	ζωὴν	αἰώνιον.
	सच–सच	सच–सच	कहता–हूँ	तुमसे,	जो–	विश्वास–करने–वाला	रखता–है	जीवन	अनन्त।
	G0281	G0281	G3004	G4771	G3588	G4100	G2192	G2222	G0166

“मैं तुम्हें सत्य कहता हूँ, जो विश्वासी है, वह अनन्त जीवन पाता है।

48	ἐγώ	εἰμι	ὁ	ἄρτος	τῆς	ζωῆς.
	मैं	हूँ	–की	रोटी	–का	जीवन।
	G1473	G1510	G3588	G0740	G3588	G2222

मैं वह रोटी हूँ जो जीवन देती है।

49	οἱ	πατέρες	ὑμῶν	ἔφαγον	ἐν	τῇ	ἐρήμῳ	τὸ	μάννα,	καὶ	ἀπέθανον.
	वे–	पूर्वजों	तुम्हारे	खाया	में	–के	जंगल	–को	मन्ना,	और	मर–गए।
	G3588	G3962	G4771	G5315	G1722	G3588	G2048	G3588	G3131	G2532	G0599

तुम्हारे पुरखों ने रेगिस्तान में मन्ना खाया था तो भी वे मर गये।

50	οὗτός	ἐστιν	ὁ	ἄρτος	ὁ	ἐκ	τοῦ	οὐρανοῦ	καταβαίνων,	ἵνα	τις
	यह	है	–की	रोटी	जो–	से	–के	स्वर्ग	उतरने–वाली,	ताकि	कोई
	G3778	G1510	G3588	G0740	G3588	G1537	G3588	G3772	G2597	G2443	G5100
	ἐξ	αὐτοῦ	φάγῃ,	καὶ	μὴ	ἀποθάνῃ.					
	में–से	इसमें	खाए,	और	न	मरे।					
	G1537	G0846	G5315	G2532	G3361	G0599					

जबकि स्वर्ग से आयी इस रोटी को यदि कोई खाए तो मरेगा नहीं।

51	ἐγώ	εἰμι	ὁ	ἄρτος	ὁ	ζῶν,	ὁ	ἐκ	τοῦ	οὐρανοῦ	καταβάς;	ἐάν	
	मैं	हूँ	–की	रोटी	–ने	जीवित,	जो–	से	–के	स्वर्ग	उतरी;	यदि	
	G1473	G1510	G3588	G0740	G3588	G2198	G3588	G1537	G3588	G3772	G2597	G1437	
	τις	φάγῃ	ἐκ	τούτου	τοῦ	ἄρτου,	ζήσει	εἰς	τὸν	αἰῶνα;	καὶ	ὁ	ἄρτος
	कोई	खाए	में–से	इस	–की	रोटी,	जिएगा	तक	–के	युग;	और	–की	रोटी
	G5100	G5315	G1537	G3778	G3588	G0740	G2198	G1519	G3588	G0165	G2532	G3588	G0740
	δὲ	ὃν	ἐγὼ	δώσω,	ἡ	σάρξ	μού	ἐστιν,	ὑπὲρ	τῆς	τοῦ	κόσμου	ζωῆς.
	और–	जो	मैं	दूँगा,	–का	माँस	मेरा	है,	के–लिए	–के	–के	संसार	जीवन।
	G1161	G3739	G1473	G1325	G3588	G4561	G1473	G1510	G5228	G3588	G3588	G2889	G2222

मैं ही वह जीवित रोटी हूँ जो स्वर्ग से उतरी है। यदि कोई इस रोटी को खाता है तो वह अमर हो जायेगा। और वह रोटी जिसे मैं दूँगा, मेरा शरीर है। इसी से संसार जीवित रहेगा।”

52	Ἐμάχοντο	οὖν	πρὸς	ἀλλήλους	οἱ	Ἰουδαῖοι,	λέγοντες,	Πῶς	δύναται	οὗτος
	लड़ते–थे	तब	साथ	एक–दूसरे–के	वे–	यहूदी,	कहते–हुए,	कैसे	सकता–है	यह
	G3164	G3767	G4314	G0240	G3588	G2453	G3004	G4459	G1410	G3778
	ἡμῖν	δοῦναι	τὴν	σάρκα	‹αὐτοῦ›	φαγεῖν?				
	हमें	देना	–का	माँस	‹अपना›	खाने–को?				
	G1473	G1325	G3588	G4561	G0846	G5315				

> फिर यहूदी लोग आपस में यह कहते हुए बहस करने लगे, “यह अपना शरीर हमें खाने को कैसे दे सकता है?”

53 εἶπεν οὖν αὐτοῖς ὁ Ἰησοῦς, Ἀμὴν ἀμὴν λέγω ὑμῖν, ἐὰν μὴ φάγητε
कहा तब उनसे –ने यीशु, सच-सच सच-सच कहता-हूँ तुमसे, जब-तक न खाओ
G3004 G3767 G0846 G3588 G2424 G0281 G0281 G3004 G4771 G1437 G3361 G5315

τὴν σάρκα τοῦ Υἱοῦ τοῦ ἀνθρώπου, καὶ πίητε αὐτοῦ τὸ αἷμα, οὐκ
–को माँस –के पुत्र –के मनुष्य, और पिओ उसका –को लहू, नहीं
G3588 G4561 G3588 G5207 G3588 G0444 G2532 G4095 G0846 G3588 G0129 G3756

ἔχετε ζωὴν ἐν ἑαυτοῖς.
रखते जीवन में अपने-आप।
G2192 G2222 G1722 G1438

> इस पर यीशु ने उनसे कहा, “मैं तुम्हें सत्य बताता हूँ जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का शरीर नहीं खाओगे और उसका लहू नहीं पिओगे तब तक तुममें जीवन नहीं होगा।

54 ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα, καὶ πίνων μου τὸ αἷμα, ἔχει ζωὴν
जो- खाने-वाला मेरे –को माँस, और पीने-वाला मेरा –को लहू, रखता-है जीवन
G3588 G5176 G1473 G3588 G4561 G2532 G4095 G1473 G3588 G0129 G2192 G2222

αἰώνιον, κἀγὼ ἀναστήσω αὐτὸν τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ.
अनन्त, और-मैं उठाऊँगा उसे –में अन्तिम दिन।
G0166 G2504 G0450 G0846 G3588 G2078 G2250

> जो मेरा शरीर खाता रहेगा और मेरा लहू पीता रहेगा, अनन्त जीवन उसी का है। अन्तिम दिन मैं उसे फिर जीवित करूँगा।

55 ἡ γὰρ σάρξ μου, ἀληθής ἐστιν βρῶσις, καὶ τὸ αἷμά μου, ἀληθής
–का क्योंकि माँस मेरा, सच्चा है भोजन, और –का लहू मेरा, सच्चा
G3588 G1063 G4561 G1473 G0227 G1510 G1035 G2532 G3588 G0129 G1473 G0227

ἐστιν πόσις.
है पेय।
G1510 G4213

> मेरा शरीर सच्चा भोजन है और मेरा लहू ही सच्चा पेय है।

56 ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα, καὶ πίνων μου τὸ αἷμα, ἐν ἐμοὶ
जो- खाने-वाला मेरे –को माँस, और पीने-वाला मेरा –को लहू, में मुझ
G3588 G5176 G1473 G3588 G4561 G2532 G4095 G1473 G3588 G0129 G1722 G1473

μένει, κἀγὼ ἐν αὐτῷ.
रहता-है, और-मैं में उसमें।
G3306 G2504 G1722 G0846

> जो मेरे शरीर को खाता रहता है, और लहू को पीता रहता है वह मुझमें ही रहता है, और मैं उसमें।

57 καθὼς ἀπέστειλέν με ὁ ζῶν Πατὴρ, κἀγὼ ζῶ διὰ τὸν Πατέρα,
जैसे भेजा मुझे –ने जीवित पिता, और-मैं जीता-हूँ द्वारा –के पिता,
G2531 G0649 G1473 G3588 G2198 G3962 G2504 G2198 G1223 G3588 G3962

καὶ ὁ τρώγων με, κἀκεῖνος ζήσει δι’ ἐμέ.
और जो- खाने-वाला मुझे, वह-भी जिएगा द्वारा मेरे।
G2532 G3588 G5176 G1473 G2548 G2198 G1223 G1473

> “बिल्कुल वैसे ही जैसे जीवित पिता ने मुझे भेजा है और मैं परम पिता के कारण ही जीवित हूँ, उसी तरह वह जो मुझे खाता रहता है मेरे ही कारण जीवित रहेगा।

58 οὗτός ἐστιν ὁ ἄρτος ὁ ἐξ οὐρανοῦ καταβάς. οὐ καθὼς ἔφαγον
यह है -की रोटी जो- से स्वर्ग उतरी। न जैसे खाया
G3778 G1510 G3588 G0740 G3588 G1537 G3772 G2597 G3756 G2531 G5315

οἱ πατέρες καὶ ἀπέθανον. ὁ τρώγων τοῦτον τὸν ἄρτον ζήσει εἰς τὸν
वे- पूर्वजों और मर-गए। जो- खाने-वाला इस -को रोटी जिएगा तक -के
G3588 G3962 G2532 G0599 G3588 G5176 G3778 G3588 G0740 G2198 G1519 G3588

αἰῶνα.
युग।
G0165

> यही वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरी है। यह वैसी नहीं है जैसी हमारे पूर्वजों ने खायी थी। और बाद में वे मर गये थे। जो इस रोटी को खाता रहेगा, सदा के लिये जीवित रहेगा।”

59 Ταῦτα εἶπεν ἐν συναγωγῇ, διδάσκων ἐν Καφαρναούμ.
ये-बातें कहीं में आराधनालय, सिखाते-हुए में कफरनहूम।
G3778 G3004 G1722 G4864 G1321 G1722 G2584

> यीशु ने ये बातें कफरनहूम के आराधनालय में उपदेश देते हुए कहीं।

60 Πολλοὶ οὖν, ἀκούσαντες, ἐκ τῶν μαθητῶν αὐτοῦ, εἶπαν, Σκληρός ἐστιν
बहुत तब, सुनकर, में-से -के चेलों उसके, कहा, कठिन है
G4183 G3767 G0191 G1537 G3588 G3101 G0846 G3004 G4642 G1510

ὁ λόγος οὗτος; τίς δύναται αὐτοῦ ἀκούειν?
यह- वचन यह; कौन सकता-है इसकी सुनना?
G3588 G3056 G3778 G5101 G1410 G0846 G0191

> यीशु के बहुत से अनुयायियों ने इन बातों को सुनकर कहा, “यह शिक्षा बहुत कठिन है, इसे कौन सुन सकता है?”

61 εἰδὼς δὲ ὁ Ἰησοῦς ἐν ἑαυτῷ, ὅτι γογγύζουσιν περὶ τούτου οἱ
जानकर और- -ने यीशु में अपने-आप, कि बुड़बुड़ाते-हैं विषय-में इसके वे-
G1492 G1161 G3588 G2424 G1722 G1438 G3754 G1111 G4012 G3778 G3588

μαθηταὶ αὐτοῦ, εἶπεν αὐτοῖς, Τοῦτο ὑμᾶς σκανδαλίζει?
चेले उसके, कहा उनसे, यह तुम्हें ठोकर-खिलाता-है?
G3101 G0846 G3004 G0846 G3778 G4771 G4624

> यीशु को अपने आप ही पता चल गया था कि उसके अनुयायियों को इसकी शिकायत है। इसलिये वह उनसे बोला, “क्या तुम इस शिक्षा से परेशान हो?

62 ἐὰν οὖν θεωρῆτε τὸν Υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου, ἀναβαίνοντα ὅπου ἦν τὸ
यदि तब देखो -को पुत्र -के मनुष्य, चढ़ते-हुए जहाँ था -में
G1437 G3767 G2334 G3588 G5207 G3588 G0444 G0305 G3699 G1510 G3588

πρότερον?
पहले?
G4386

> यदि तुम मनुष्य के पुत्र को उपर जाते देखो जहाँ वह पहले था तो क्या करोगे?

63 τὸ πνεῦμά ἐστιν τὸ ζωοποιοῦν; ἡ σὰρξ οὐκ ὠφελεῖ οὐδέν. τὰ
-का आत्मा है जो- जिलाने-वाला; -से शरीर नहीं लाभ-होता कुछ-भी। वे-
G3588 G4151 G1510 G3588 G2227 G3588 G4561 G3756 G5623 G3762 G3588

ῥήματα ἃ ἐγὼ λελάληκα ὑμῖν, πνεῦμά ἐστιν, καὶ ζωή ἐστιν.
वचन जो मैंने कहे-हैं तुमसे, आत्मा हैं, और जीवन हैं।
G4487 G3739 G1473 G2980 G4771 G4151 G1510 G2532 G2222 G1510

> आत्मा ही है जो जीवन देता है, देह का कोई उपयोग नहीं है। वचन, जो मैंने तुमसे कहे हैं, आत्मा है और वे ही जीवन देते हैं।

64

ἀλλ’	εἰσὶν	ἐξ	ὑμῶν	τινες,	οἳ	οὐ	πιστεύουσιν.	ᾔδει	γὰρ	ἐξ	ἀρχῆς
परन्तु-	हैं	में–से	तुम्हारे	कुछ,	जो	नहीं	विश्वास–करते।	जानता–था	क्योंकि	से	आरम्भ
G0235	G1510	G1537	G4771	G5100	G3739	G3756	G4100	G1492	G1063	G1537	G0746

ὁ	Ἰησοῦς,	τίνες	εἰσὶν	οἱ	μὴ	πιστεύοντες,	καὶ	τίς	ἐστιν	ὁ
–ने	यीशु,	कौन	हैं	वे–	जो–नहीं	विश्वास–करने–वाले,	और	कौन	है	जो–
G3588	G2424	G5101	G1510	G3588	G3361	G4100	G2532	G5101	G1510	G3588

παραδώσων	αὐτόν.
पकड़वाने–वाला	उसे।
G3860	G0846

> किन्तु तुममें कुछ ऐसे भी हैं जो विश्वास नहीं करते।” (यीशु शुरू से ही जानता था कि वे कौन हैं जो विश्वासी नहीं हैं और वह कौन हैं जो उसे धोखा देगा।)

65

καὶ	ἔλεγεν,	Διὰ	τοῦτο	εἴρηκα	ὑμῖν,	ὅτι	οὐδεὶς	δύναται	ἐλθεῖν	πρός	με,
और	कहता–था,	इसलिए	इस	कहा–है	तुमसे,	कि	कोई–नहीं	सकता	आना	पास	मेरे,
G2532	G3004	G1223	G3778	G2046	G4771	G3754	G3762	G1410	G2064	G4314	G1473

ἐὰν	μὴ	ᾖ	δεδομένον	αὐτῷ	ἐκ	τοῦ	Πατρός.
जब–तक	न	हो	दिया–हुआ	उसे	से	–के	पिता।
G1437	G3361	G1510	G1325	G0846	G1537	G3588	G3962

> यीशु ने आगे कहा, “इसीलिये मैंने तुमसे कहा है कि मेरे पास तब तक कोई नहीं आ सकता जब तक परम पिता उसे मेरे पास आने की अनुमति नहीं दे देता।”

66

Ἐκ	τούτου,	πολλοὶ	‹ἐκ›	τῶν	μαθητῶν	αὐτοῦ	ἀπῆλθον	εἰς	τὰ	ὀπίσω,
से	इसके,	बहुत	‹में–से›	–के	चेलों	उसके	चले–गए	को	–की	पीछे,
G1537	G3778	G4183	G1537	G3588	G3101	G0846	G0565	G1519	G3588	G3694

καὶ	οὐκέτι	μετ’	αὐτοῦ	περιεπάτουν.
और	अब–नहीं	साथ	उसके	चलते–थे।
G2532	G3765	G3326	G0846	G4043

> इसी कारण यीशु के बहुत से अनुयायी वापस चले गये। और फिर कभी उसके पीछे नहीं चले।

67

εἶπεν	οὖν	ὁ	Ἰησοῦς	τοῖς	δώδεκα,	Μὴ	καὶ	ὑμεῖς	θέλετε	ὑπάγειν?
कहा	तब	–ने	यीशु	–से	बारहों,	क्या	भी	तुम	चाहते–हो	जाना?
G3004	G3767	G3588	G2424	G3588	G1427	G3361	G2532	G4771	G2309	G5217

> फिर यीशु ने अपने बारह शिष्यों से कहा, “क्या तुम भी चले जाना चाहते हो?”

68

ἀπεκρίθη	αὐτῷ	Σίμων	Πέτρος,	Κύριε,	πρὸς	τίνα	ἀπελευσόμεθα?	ῥήματα	ζωῆς
उत्तर–दिया	उसे	शिमोन	पतरस,	प्रभु,	पास	किसके	जाएँगे?	वचन	जीवन–के
G0611	G0846	G4613	G4074	G2962	G4314	G5101	G0565	G4487	G2222

αἰωνίου	ἔχεις;
अनन्त	रखता–है;
G0166	G2192

> शमौन पतरस ने उत्तर दिया, “हे प्रभु, हम किसके पास जायेंगे? वे वचन तो तेरे पास हैं जो अनन्त जीवन देते हैं।

69

καὶ	ἡμεῖς	πεπιστεύκαμεν,	καὶ	ἐγνώκαμεν	ὅτι	σὺ	εἶ	ὁ	Ἅγιος	τοῦ
और	हमने	विश्वास–किया–है,	और	जाना–है	कि	तू	है	–ने	पवित्र	–का
G2532	G1473	G4100	G2532	G1097	G3754	G4771	G1510	G3588	G0040	G3588

Θεοῦ.
परमेश्वर।
G2316

> अब हमने यह विश्वास कर लिया है और जान लिया है कि तू ही वह पवित्रतम है जिसे परमेश्वर ने भेजा है।”

70	ἀπεκρίθη	αὐτοῖς	ὁ	Ἰησοῦς,	Οὐκ	ἐγὼ	ὑμᾶς	τοὺς	δώδεκα	ἐξελεξάμην,
	उत्तर-दिया	उनसे	-ने	यीशु,	क्या-नहीं	मैंने	तुम्हें	-को	बारहों	चुना,
	G0611	G0846	G3588	G2424	G3756	G1473	G4771	G3588	G1427	G1586

καὶ	ἐξ	ὑμῶν	εἷς	διάβολός	ἐστιν?
और	में-से	तुम्हारे	एक	शैतान	है?
G2532	G1537	G4771	G1520	G1228	G1510

> यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, “क्या तुम बारहों को मैंने नहीं चुना है? फिर भी तुममें से एक शैतान है।”

71	ἔλεγεν	δὲ	τὸν	Ἰούδαν	Σίμωνος	Ἰσκαριώτου;	οὗτος	γὰρ	ἔμελλεν
	कहता-था	और-	-को	यहूदा	शिमोन	इस्करियोती;	यह	क्योंकि	करने-वाला-था
	G3004	G1161	G3588	G2455	G4613	G2469	G3778	G1063	G3195

παραδιδόναι	αὐτόν,	εἷς	ἐκ	τῶν	δώδεκα.
पकड़वाना	उसे,	एक	में-से	-के	बारहों।
G3860	G0846	G1520	G1537	G3588	G1427

> वह शमौन इस्करियोती के बेटे यहूदा के बारे में बात कर रहा था क्योंकि वह यीशु के खिलाफ़ होकर उसे धोखा देने वाला था। यद्यपि वह भी उन बारह शिष्यों में से ही एक था।